

# डॉ. बिल मौस, पर्वत पर उपदेश, व्याख्यान 7, मत्ती 5:27ff, महान धार्मिकता के कार्य, भाग 2

© 2024 बिल मौस और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. बिल माउंट्स द्वारा माउंट पर उपदेश पर दिया गया उपदेश है। यह सत्र 7, मैथ्यू 5:27, और उसके बाद, महान धार्मिकता के कार्य, भाग 2 है।

ठीक है, हम आज दोपहर को अध्याय पाँच समाप्त करने जा रहे हैं।

किसी न किसी तरह, हम इसे समाप्त करेंगे क्योंकि हमें ऐसा करना ही है। और इसलिए, हम अत्यधिक धार्मिकता, गहरी आज्ञाकारिता के शेष चार उदाहरणों को देखने जा रहे हैं। और दूसरा है वासना और व्यभिचार का पूरा मुद्दा, आयत 27 से 30।

अब, जिस चीज़ का मैं कभी अनुमान नहीं लगा पाता हूँ, वह यह है कि तलाक़ के मुद्दे पर चर्चा कितनी लंबी चलेगी। तो, चलिए देखते हैं कि आप क्या करना चाहते हैं। लेकिन, फिर भी, हम इसमें कूद पड़ेंगे।

पद 27 से शुरू करते हुए, आपने सुना है कि कहा गया था, तुम व्यभिचार न करो। लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ कि जो कोई किसी स्त्री को वासना की दृष्टि से देखता है, वह अपने मन में उसके साथ व्यभिचार कर चुका है। अगर तुम्हारी दाहिनी आँख तुम्हें ठोकर खिलाती है, तो उसे निकालकर फेंक दो।

तेरे लिए यह बेहतर है कि तेरे शरीर का एक अंग नष्ट हो जाए, बजाय इसके कि तेरा पूरा शरीर नरक में डाल दिया जाए। और यदि तेरा दाहिना हाथ तुझे ठोकर खिलाए, तो उसे काटकर फेंक दे। तेरे लिए यह बेहतर है कि तेरे शरीर का एक अंग नष्ट हो जाए, बजाय इसके कि तेरा पूरा शरीर नरक में डाल दिया जाए।

ठीक है। जैसा कि इस पूरे अंश में फरीसी करते हैं, उन्होंने एक आज्ञा ली और उसे सीमित कर दिया, जैसा कि हमने पिछले और दोपहर के भोजन से पहले कहा था, इसे एक बाहरी कार्य तक सीमित कर दिया। अब, ऐसा करने में, उन्होंने अपने पड़ोसी की पत्नी की लालसा न करने की 10वीं आज्ञा को अनदेखा कर दिया था।

लेकिन उन्होंने हत्या को लिया और कहा कि यह केवल बाहरी कृत्य पर लागू होता है। इस मार्ग में यीशु की खासियत यह है कि वह आज्ञाओं को वापस उसी जगह पर ले जाने के बारे में है जहाँ उन्हें होना चाहिए था। जिस तरह घृणा हत्या की ओर ले जा सकती है और आज्ञा का उल्लंघन कर

सकती है, उसी तरह वासना व्यभिचार की ओर ले जा सकती है और आज्ञा का उल्लंघन भी कर सकती है।

इस मामले में ESV अनुवाद बहुत बेहतर है। लेकिन मैं आपसे कहता हूँ कि जो कोई भी किसी महिला को कामुक इरादे से देखता है, और हालाँकि हम 2011 से NIV में लिए गए निर्णयों पर चुप्पी साधे हुए हैं, मैं आपसे शर्त लगा सकता हूँ कि अगला NIV बेहतर अनुवाद है। मैं आपको रिक्त स्थान भरने देता हूँ।

ग्रीक में स्पष्ट रूप से वासना के इरादे से देखा जाता है। और यहाँ महत्वपूर्ण अंतर यह है कि प्रलोभन पाप नहीं है। ये बातें हमारे दिमाग में घूमती रहती हैं, है न? मैं लड़कों के बारे में कहता था, लेकिन मैं उन महिलाओं के लिए सहायता समूहों के बारे में जानता हूँ जो वासना के बंधन में हैं और बाहर निकलने का रास्ता नहीं खोज सकतीं।

तो, यह महिलाओं की समस्या के साथ-साथ पुरुषों की भी समस्या बनती जा रही है। प्रलोभन कोई पाप नहीं है। हमारे लोगों को यह सुनने की ज़रूरत है।

गुज़रते हुए विचार, चुनौतियाँ और प्रलोभन पाप नहीं हैं। यह पहली नज़र नहीं, बल्कि दूसरी नज़र है। यह नज़र नहीं, बल्कि घूरना है।

यह कोई क्षणिक विचार नहीं है, बल्कि वह स्मृति है जो प्रलोभन को वासना के पाप में बदल देती है। और मुझे निराशा होती है कि ग्रीक भाषा इतनी असाधारण रूप से स्पष्ट है। यह मैं नहीं हूँ जो मॉल में घूम रहा हूँ और विक्टोरिया सीक्रेट देख रहा हूँ।

मेरी पत्नी इन चीज़ों में मेरी मदद करने में बहुत अच्छी है क्योंकि मुझे नहीं पता कि ये दुकानें कहाँ हैं। अचानक, मुझे लगता है कि वह मुझे दूसरी दिशा में खींच रही है, और मैं कहता हूँ, "ओह, यहाँ कुछ ऐसा है जिसे मैं देखना नहीं चाहता।"

और इसलिए, हमारे पास यह छोटी सी चीज़ है जहाँ वह मदद करती है। लेकिन अगर आप जाते भी हैं, ओह, जी, आप जानते हैं, छवि अभी भी आपकी याददाश्त में जल गई है, है ना? और मैं ऐसा नहीं चाहता। लेकिन यह वह व्यक्ति है जो विक्टोरिया सीक्रेट को आते हुए देखता है और कहता है, हम्म।

वह वासनापूर्ण इरादे से देख रहा था। घूरने का यही उद्देश्य है वासना करना, उसके कपड़े उतारना, उसके साथ एक वस्तु की तरह व्यवहार करना, न कि ईश्वर की छवि में समान रूप से बनाई गई वस्तु की तरह। यही वह वासना है जिसके बारे में यीशु बात कर रहे हैं।

और फिर, मैं इस बारे में तब तक अनभिज्ञ था जब तक मैंने इस पर उपदेश नहीं दिया। और कुछ लोग मेरे पास आए और कहा, आप जानते हैं, आपको गलत समझा जा रहा है। यहाँ ऐसे लोग हैं जिन्हें सिखाया गया है कि वासना और व्यभिचार एक ही चीज़ हैं।

इसलिए, अगर आप अपनी लड़की के पीछे वासना में पड़ गए हैं, तो आप उसके साथ सो सकते हैं क्योंकि इसमें कोई अंतर नहीं है। और यह स्पष्टीकरण हमारे सभी उपदेशों में स्पष्ट होना चाहिए। यीशु का यह कहना कि वासना उस भावना का उल्लंघन करती है जो कार्य की ओर ले जाती है, अपने आप में आज्ञा का उल्लंघन है।

लेकिन ये दोनों एक ही बात नहीं हैं। मुझे यकीन है कि रॉबिन चाहेगा कि मैं व्यभिचार करने के बजाय वासना करूँ। मुझे इस बात का पूरा यकीन है।

वे दोनों एक ही चीज़ नहीं हैं। मैं निश्चित रूप से चाहूँगा कि आप मुझे मारने के बजाय मुझसे नफ़रत करें। वे दोनों एक ही चीज़ नहीं हैं।

कल हमने लगभग हर वो बात कही जो आप कहना चाहते हैं, लेकिन मुझे नहीं पता कि उसे कैसे बोलना है। मैंने यही कहा। यह किसी और बात का प्रचार करने के लिए नहीं है।

और मुझे लगता है कि यह अन्य बातों की तरह है जिसे सामने नहीं लाया जा सकता। लेकिन आस्था मूल्यों पर, यहां तक कि जीएसडी में भी, यह कहा जाता है, वह पहले ही व्यभिचार के लिए प्रतिबद्ध हो चुका है। वह पहले ही व्यभिचार के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन उसके लिए ऐसा करना कठिन रहा है।

वह व्यभिचार के लिए प्रतिबद्ध है। आस्था मूल्यों पर होने के कारण ऐसा ही कहा गया है। क्या आप आज्ञा के उल्लंघन के बारे में बात करेंगे? मैंने लंबे समय से आम अंग्रेजी में लोइन्स शब्द का इस्तेमाल नहीं सुना है।

मुझे बस एक सेकंड में इस बात से उबरना है। नहीं, नहीं, नहीं। यह कहने का वाकई बहुत अच्छा तरीका था।

यह कहने का वाकई बहुत बढ़िया तरीका है, और मुझे पता है कि कमर क्या होती है। मुझे यह भी पता है कि उन्हें कैसे बांधना है। व्यभिचार शब्द की यह परिभाषा बहुत ही असामान्य होगी कि इसे इस हद तक विस्तारित किया जाए कि व्यभिचार एक मानसिक कार्य होने के साथ-साथ एक शारीरिक कार्य भी है।

मेरा मतलब है, आपको व्यभिचार शब्द को फिर से परिभाषित करना होगा, और शायद यीशु यही कर रहे हैं। मुझे लगता है कि इन पाँच या छह में से सभी में, मूल जोर इस बात पर है कि यीशु आज्ञा का उल्लंघन करने का क्या अर्थ है, इसे फिर से परिभाषित करते हैं, और यह हृदय से शुरू होता है। लेकिन उन सभी में, उल्लंघन करने वाला हृदय शारीरिक कृत्य से अलग है।

तो, यह सवाल है कि क्या हम शब्दों को उनके वास्तविक अर्थ में लेते हैं, या हम... अरे, यह वही है जो लिखा है। फिर, हमें व्यभिचार को वासना के रूप में फिर से परिभाषित करना होगा। मुझे नहीं पता।

मेरे दिमाग में कुछ चल नहीं रहा है। मुझे इस बारे में सोचना होगा। मैं इससे सहमत हूँ, और जब हम अगले पैराग्राफ के बारे में बात करेंगे, तो मैं इसके बारे में बात करने जा रहा हूँ क्योंकि मुझे लगता है कि पोर्नोग्राफिक की लत आज्ञा का उल्लंघन करती है और विवाह अनुबंध का उल्लंघन करती है।

तो, मुझे उस स्थिति पर बहस करने में कोई परेशानी नहीं है, इसलिए मैं इस पर आपसे सहमत होने जा रहा हूँ। खैर, मेरा मतलब है, क्या आप चाहेंगे कि आपका बेटा अपनी प्रेमिका के प्रति वासना रखे या उसके साथ संभोग करे? लेकिन आप जो कह रहे हैं वह यह है कि अंग्रेजी में दो अलग-अलग चीजों का वर्णन करने के लिए दो अलग-अलग शब्द हैं, और सवाल यह है कि क्या यीशु कहेंगे कि वे एक ही हैं? अन्यथा, हमारी सभी पत्नियाँ हमें तलाक दे सकती हैं। यह सही है।

हाँ। यहाँ अंतर यह है कि उसने ऐसा किया। ऐसा उसके दिल में लिखा है।

इसमें अंतर तो है, लेकिन दोनों ही गलत हैं। हाँ, मैं वहाँ जाने को तैयार नहीं हूँ, लेकिन मैं जाऊँगा। मुझे इस पर विचार करने दीजिए।

मुझे इस पर विचार करना चाहिए क्योंकि क्रोध और हत्या एक ही बात नहीं है। यीशु ऐसा नहीं कह सकते। वे दोनों ही भयानक बातें हैं।

वे दोनों आज्ञाओं का उल्लंघन करते हैं, लेकिन वे मूल रूप से अलग-अलग चीजें हैं। दोनों मामलों में, इसके बारे में सोचें। अगर आप इसके बारे में सोचते हैं, तो आप ऐसा कर सकते हैं, लेकिन कभी-कभी, बहुत से लोग हत्या के बारे में सोचते हैं, और लोग ऐसा नहीं करते हैं।

इसलिए, मुझे लगता है कि कार्रवाई इस दिमाग से शुरू होनी चाहिए कि आप सावधान नहीं हैं। खैर, और यह निश्चित रूप से होगा। मेरा मतलब है, कोई भी किसी ऐसे व्यक्ति की हत्या नहीं करता जिससे वह किसी न किसी स्तर पर नफरत न करता हो।

हाँ, मुझे लगता है कि मुद्दा यह है कि, और हम सभी इस बात से सहमत होंगे, वासना और व्यभिचार दोनों ही पाप हैं, और वासना और व्यभिचार दोनों ही आज्ञा का उल्लंघन करते हैं; तुम व्यभिचार नहीं करोगे। सवाल यह है कि क्या हमें एक कदम और आगे जाना चाहिए? और आप हाँ कह रहे हैं। मुझे यकीन नहीं है कि यह वही है।

शायद मैं इसे यही कह रहा हूँ। खैर, यीशु कह रहे हैं कि आज्ञाओं का उल्लंघन सिर्फ़ काम करने से नहीं होता। आज्ञाओं का उल्लंघन दिल के उस रवैये से होता है जो काम करने की ओर ले जाता है।

यह कहने से अलग है कि हृदय का रवैया और कार्य एक ही बात है। मैं चाहूँगा कि वह मेरी पत्नी की बजाय मृत्यु से प्रेम करे, न कि वास्तव में व्यभिचार करे। हाँ, और उसका उत्तर है, क्या यीशु यही कह रहा है? यह एक मज़ेदार बात है।

पूरे सम्मान के साथ, मेरा मतलब यह नहीं है कि मैं किसी मतलबी तरीके से ऐसा कह रहा हूँ, मुझे परवाह नहीं है कि आप में से कोई क्या चाहता है। मुझे परवाह नहीं है कि आप में से कोई क्या फेंकता है। मुझे यह जानने में वाकई दिलचस्पी है कि यीशु यहाँ वास्तव में क्या कह रहे हैं।

आपको हर बात की प्रस्तावना देनी चाहिए क्योंकि वे इसे सिर्फ़ मुँह से मुँह तक पढ़ रहे हैं। खैर, मुझे यकीन नहीं है कि मैंने हर बात की प्रस्तावना दी है क्योंकि हमने इस बारे में बात की थी कि आप भाषा को कैसे समझेंगे क्योंकि भाषा बहुत मज़बूत है। हम आँखें नहीं निकालेंगे और हाथ नहीं काटेंगे, इसलिए हमें यीशु के शब्दों की ताकत को पूरी ताकत से अपने ऊपर हावी होने देना चाहिए, लेकिन हम उस शब्द में नहीं हो सकते जिसका मैंने इस्तेमाल किया है; यह एक अच्छा शब्द नहीं है, लेकिन इसमें सरलता बरतें।

यह एक दिलचस्प विचार है, और मुझे बस इन सभी पर विस्तार से चर्चा करनी है। आपने फरीसियों और उनके गुस्से के बारे में बात की। आपने सुना होगा कि मैंने एक बार एक शब्द सुना था जिसे घायल और खून से लथपथ फरीसी कहा जाता था।

क्या? घायल या खून बह रहा फरीसी। घायल या खून बह रहा फरीसी। यह दिखाने के लिए कि वे ऐसा करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, वे एक स्वतंत्र महिला को देखते हैं, और वे अपनी आँखें बंद कर लेते हैं और दीवार के नीचे उसे चूम लेते हैं।

यह दिखाने के लिए कि वे कैसे नहीं थे, आप जानते हैं, जैसे, ओह, मैं शायद सूखे में बाहर हो सकता हूँ। मेरी तरफ देखो, और मैं उन सभी को देखने वाला नहीं हूँ। मैंने कहा, मुझे देखना ही होगा।

नहीं, मैंने कभी ऐसा वाक्य नहीं सुना। नहीं। लेकिन अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हैं जो दीवारों से चिपका हुआ है, तो आप भी दीवार के नीचे फंस गए हैं, जैसे फरीसी फंस गए थे।

वह कह रहे हैं, देखो, अपने खुद के मानकों के अनुसार, कानून की सच्ची भावना के अनुसार, व्यभिचार के कृत्य और व्यभिचार के विचार के बीच कोई अंतर नहीं है। इसका मतलब यह नहीं है कि यह आज चर्च में भी लागू होता है। वह ऐसे लोगों के समूह के बारे में बात कर रहे हैं जो सोचते थे कि जब तक वे वास्तव में व्यभिचार नहीं करते तब तक वे खूबसूरती से कानून का पालन कर रहे थे।

और वह कह रहा है, अपने कानून के अनुसार, इस कानून की भावना के अनुसार, आप वास्तव में अपनी स्थिति के लिए दोषी हैं। आपके चर्च में कोई फरीसी नहीं है? क्या आप पृथ्वी पर एकमात्र चर्च हैं? मेरा मतलब है, मैं वास्तव में इसे अतीत में नहीं भेजना चाहता। लेकिन अगर आप उन्हें इसके लिए दोषी ठहराते हैं, और वह इसे चर्चा में लाता है, मानसिक व्यभिचार और इसी तरह, तो वह उन्हें चीजों से दूर रहने से नहीं रोक रहा है।

वह यह नहीं कह रहा है कि, अरे, आज के ईसाइयों के लिए, यदि आप अपने मन में व्यभिचार करते हैं, तो आप आगे बढ़कर ऐसा कर सकते हैं। मुझे नहीं लगता कि वह जो कह रहा है उसका

उस अर्थ में कोई अनुप्रयोग है क्योंकि वह जो हासिल करने की कोशिश कर रहा है। वह फरीसियों के खिलाफ तर्क दे रहा है क्योंकि उन्हें लगता था कि सब कुछ ठीक है।

वे लोगों को दाएं-बाएं तलाक दे रहे थे, उन्हें इसकी परवाह नहीं थी। और वह कह रहा है, नहीं, अपने स्वयं के कोड के अनुसार, यह एक बड़ा शास्त्र है कि आप कानून की भावना का पालन करना चाहते हैं। लेकिन हम कानून के अधीन नहीं हैं।

तो वही कोड और वही मानक जानकारीपूर्ण, अनुकूली और चर्च को उन सभी प्रकार की चीजों को सिखाने और प्रस्तावित करने के लिए उपयोगी है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि आज चर्च में, आपको मानसिक व्यभिचार को शारीरिक व्यभिचार के बराबर मानना चाहिए। यीशु ने क्या कहा? आप पूछ रहे हैं, यीशु ने क्या कहा? वह फरीसियों से बात कर रहा है।

लेकिन हाँ, वह फरीसियों से बात कर रहा है। आपकी धार्मिकता आत्मा की धार्मिकता से बढ़कर होनी चाहिए। नहीं, यह फरीसियों के बारे में नहीं है।

लेकिन जब वह ऐसा कहता है, तो मुझे लगता है कि वह फरीसियों के खिलाफ़ एक वाद-विवाद कर रहा है। मेरा मतलब है, यह मुझे बहुत ही संकीर्ण रूप से प्रभावित करता है। लेकिन वह जो कुछ भी कहता है उसका उद्देश्य फरीसियों को हराना और उन्हें कानून तोड़ने वाले के रूप में दिखाना है जो वे वास्तव में हैं।

इस पूरे उपदेश में जो कुछ भी है, वह इसी बारे में है। तो, कहने का मतलब है, यीशु क्या कह रहे हैं? वह फरीसियों से कह रहे हैं कि वे झूठे हैं, वे पाखंडी हैं, उन्होंने उसी कानून का उल्लंघन किया है जिसके बारे में वे दावा करते हैं कि वे चर्च के प्रति वफादार और सच्चे हैं। लेकिन अब, क्या हमें आज चर्च में हर सेवा में मानदंड और मानक की वही आलोचना करनी होगी? और इसलिए, आप कह रहे हैं, यीशु आज हमसे क्या कह रहे हैं? क्या यह बिल्कुल लागू होता है? मन के साथ व्यभिचार की यह समानता और वास्तविक व्यभिचार की समानता? नहीं, कानून के तहत, यह है, लेकिन हम कानून के अधीन नहीं हैं।

और फिर हम सामान्य ज्ञान की बात करने लगते हैं। सामान्य ज्ञान आपको बताता है कि पारिवारिक व्यभिचार शारीरिक नहीं होता। हाँ, यह शारीरिक होता है।

एक फरीसी जो कानून के तहत खुद को खुला छोड़ रहा है, उससे यही कहो। आज किसी को नहीं, किसी ईसाई को नहीं। अगर मैंने मानसिक व्यभिचार किया है, तो मैं बाहर जाकर ऐसा करके इसे और भी जटिल नहीं बनाऊंगा क्योंकि ऐसा करने से मुझे सजा मिल सकती है।

फिर, हम इसे और जटिल बना देते हैं। तो, आप पूछ रहे हैं, यीशु हमसे क्या कह रहे हैं? यीशु क्या कह रहे हैं? और वह किससे बात कर रहे हैं? वह मुझसे बात कर रहे हैं। क्या वह आपसे बात कर रहे हैं? मुझे संदेह है।

मुझे नहीं लगता कि वह ऐसा कर रहा था। वह अपने शिष्यों से बात कर रहा था। लेकिन वह आपसे बात नहीं कर रहा था और न ही आज आपके लिए कोई मानदंड और मानक तय कर रहा

था, इस अर्थ में कि आप एक ऐसे पाप के दोषी हैं जो इतना बड़ा है कि आप गेहेत्रा की निंदा के अंतर्गत आते हैं।

क्या इस पहाड़ी उपदेश का कुछ हिस्सा आप पर लागू होता है? यह बाद में लागू होता है। इसके बाद यह सबसे पहले फरीसियों और शास्त्रियों पर लागू होता है क्योंकि यह पहले उनके खिलाफ़ एक वाद-विवाद है। इसलिए, मुझे लगता है कि आपको सावधान रहना चाहिए कि आप चेतावनी और इस तरह की बातों को कैसे ग्रहण करते हैं।

आज एक ईसाई के रूप में जो कानून के अधीन नहीं है। ठीक है, हमें आगे बढ़ने की जरूरत है। मैं आपके कानून के भेद से असहज हूँ।

यीशु व्यवस्था के सच्चे अर्थ के बारे में अपनी समझ दे रहे हैं। और ऐसे कई तरीके हैं जिनमें हम व्यवस्था के अधीन नहीं हैं। व्यवस्था हमारा संरक्षक था, जो हमें मसीह के पास लाता था।

लेकिन दूसरे तरीकों से, यह हमारे मरने तक का समय नहीं है। सब कुछ मसीह में पूरा हो चुका है। और इसलिए, मैं यह कहने में घबराऊंगा कि कुछ ऐसा है जो तब लागू होता था लेकिन अब लागू नहीं होता।

लेकिन हमारे चर्च फरीसियों से भरे हुए हैं। मेरे चर्च में इतने सारे लोग थे कि फरीसी कहते थे, अरे, भाई। और मुझे लगता है कि हमारे सभी चर्च ऐसे लोगों से भरे हुए हैं।

और इसलिए, मेरा मतलब है, अगर मैं आपकी कही गई बातों को और बेहतर बना सकता हूँ, अगर आप मूल लेखकीय इरादे को समझने जा रहे हैं, तो आपको इसे पहली सदी में देखना होगा। और आप कम से कम ऐसा कह रहे हैं। लेकिन मैं इसमें से किसी भी बात को पहली सदी तक सीमित नहीं रखना चाहूँगा।

इसीलिए जब मैंने शुरुआत की, तो मैंने कहा कि यह सभी समय के सभी शिष्यों पर लागू होता है। क्योंकि आज ऐसे ईसाई हैं जो आध्यात्मिकता को पूरी तरह से बाहरी क्रिया के संदर्भ में परिभाषित करते हैं। अगर कोई ऐसा व्यक्ति था जिसके साथ मेरा रिश्ता था, तो उसके जीवन में यह मुद्दा था, और जैसे कि वह एक बुजुर्ग था, बिल्कुल।

मैं अनुशासन के मामले में बात नहीं करूँगा। मैं कहूँगा कि आप खुद से समझौता कर रहे हैं। आप इस चर्च की अखंडता से समझौता कर रहे हैं।

। अगर मेरा कोई भाई पोर्नोग्राफ़िक एडिक्ट था, तो आपको इससे ज़रूर परेशानी है, बिल्कुल।

क्योंकि यह आज्ञा का उल्लंघन करता है, यह चर्च के लिए असाधारण रूप से विनाशकारी है। और यह मूल रूप से सृष्टि की वास्तविकता को नकारता है, कि महिलाएं वस्तु नहीं हैं।

कल, मुझे दो बार उद्धृत किया गया। मुझे नहीं पता कि यह सही है या नहीं। आपने यह नहीं कहा कि बाइबल से शब्द, ईश्वर को हटा दें।

आपने कहा, शब्द को वही कहने दो जो वह है। क्या कहने दो? शब्द को वही कहने दो जो वह है। शब्दों को वही कहने दो जो उनका मतलब है।

लेकिन क्या सभी के पास दो हाथ हैं? लेकिन यह एक बढ़िया चर्चा है, क्योंकि यही इस उपदेश की समस्या है। हम सभी के पास दो हाथ हैं। हम सभी की दो आँखें हैं।

क्यों? खैर, क्योंकि हम समझते हैं कि हम चाहते हैं कि शब्दों में ताकत हो, इसलिए हमें यह समझने में सावधानी बरतनी चाहिए कि यीशु क्या कहना चाह रहे हैं। लेकिन मुझे इस बारे में सोचना चाहिए कि आप क्या कह रहे हैं क्योंकि मैं भी कुछ ऐसा ही कर रहा था। मैं धार्मिकता के अन्य उदाहरणों को देख रहा था, और पहला और दूसरा एक तरह से समानांतर हैं।

बाकी तीन नहीं हैं। वे बिल्कुल एक ही चीज़ नहीं हैं। और इसलिए, आपके पास वास्तव में एक ही बात कहने वाले चार अन्य समानांतरों का सेट नहीं है।

आपके पास एक और समानांतर है जो एक ही बात कहता है। अब, अगर चारों बिल्कुल एक ही बात कहते, तो मैं कहता, नहीं, मैं आपकी बात नहीं मान सकता। लेकिन आपके पास ये दो हैं, और वे पूरी तरह से समानांतर नहीं हैं।

इसलिए मैं यहाँ बैठकर संदर्भ की प्राथमिकता के बारे में सोच रहा हूँ, और मुझे बस इस पर कुछ समय बिताने की ज़रूरत है। खैर, यह वह जगह है जहाँ मुझे स्टॉट की गहरी आज्ञाकारिता बहुत पसंद है, कि जिस तरह से आप धार्मिकता से आगे बढ़ते हैं वह यह है कि आप बाहरी कार्रवाई से कहीं ज़्यादा गहराई में जाते हैं। आप दिल तक जाते हैं।

तो, यह अधिक धार्मिक होना है। अगर मैं इसे ठीक से कहूँ, तो यह वास्तव में धार्मिक है क्योंकि धार्मिक पालन किसी भी स्तर पर धार्मिकता नहीं है। और इसलिए वह धार्मिकता जो हमें राज्य में ले जाती है और परिभाषित करती है कि हम कैसे रहते हैं, वह धार्मिकता है जो हृदय से शुरू होती है।

कम से कम, हमें यह तो मानना ही होगा कि यीशु अपने शिष्यों को फरीसियों के अनुसार जीना सिखा रहे हैं। बिल्कुल, बिल्कुल। आपने यह कहा सुना होगा, लेकिन मैंने आपके बारे में कहा, वह जो कह रहे हैं वह बाइबल में नहीं लिखा है। यह वही है जो फरीसी व्याख्या करते हैं।

और वह इसे उलट रहा है। तो जैसा कि आपने सुना है, अपने पड़ोसी से प्यार करो और अपने दुश्मनों से नफरत करो। बाइबल कभी नहीं कहती कि अपने दुश्मनों से नफरत करो।

इसमें कहा गया है कि अपने शत्रुओं से प्रेम करो। और इसलिए, मेरा मतलब है, यह स्पष्ट है कि वह फरीसी गलत व्याख्या के खिलाफ काम कर रहा है और यह कहने की कोशिश कर रहा है कि, यहाँ कानून वास्तव में क्या कहता है। यहाँ वास्तव में ईश्वर की इच्छा है।

हाँ, आपको कहना होगा कि मूल इरादा यही था। और इसलिए, अगर यह सच है, तो आपके लिए बेहतर है कि आप अपनी आँख निकाल दें और अपना हाथ काट लें क्योंकि आप अपने खुद के मानकों के अनुसार नरक में जा रहे हैं। हम उन मानकों के साथ नहीं जीते हैं।

हमें बताया गया कि, हाँ, वह लड़का व्यभिचारी है, वह एक वेश्या है। लेकिन वास्तव में, वह एक फरीसी है। यह बहुत अच्छा है, लेकिन ऐसा नहीं है। मेरा मतलब है, मैं इसे कैल्विन के कहने के तरीके से नहीं देख सकता था, ठीक है, यह एक हाई स्कूल तर्क है।

यहीं पर आप हाई स्कूल के छात्रों से यह तर्क सुनते हैं। और उस समय उनके मस्तिष्क का केवल एक तिहाई हिस्सा ही विकसित होता है, इसलिए। हाँ, और यही वह बिंदु है जिसे मैं समझने की कोशिश कर रहा हूँ।

हम इसे अलग तरीके से बनाएंगे। हालाँकि, मुद्दा यह है कि समानता यह है कि दोनों आज्ञा का उल्लंघन करते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि वे समान हैं, इसलिए।

ठीक है, कुछ सोचने वाली बात है। शुक्रिया। शुक्रिया, मार्क।

पाप को गंभीरता से लो। तुम्हें इसके बारे में कुछ करना ही होगा। आँख निकालना, हाथ काटना।

और टिप्पणीकार यह बताना पसंद करते हैं कि आँख और हाथ सिर्फ मूल्यवान ही नहीं हैं, बल्कि वे वासना व्यभिचार प्रक्रिया का हिस्सा हैं। और शायद इसीलिए उसने आँख और हाथ को चुना। सवाल यह है कि क्या यह अतिशयोक्ति है? बेशक, आप लोग बिल्कुल विपरीत दिशा में जा रहे हैं।

लेकिन ज्यादातर लोग, जब इसे पढ़ते हैं, तो सोचते हैं, ठीक है, यीशु अतिशयोक्तिपूर्ण बात कर रहे हैं। मुझे वास्तव में नहीं पता कि वह किस बारे में बात कर रहे हैं, इसलिए मैं पूरी बात को अनदेखा करने जा रहा हूँ, है न? और आम तौर पर ऐसा ही होता है। लेकिन दूसरी सदी में ओरिजन जैसे लोग हैं जिन्होंने इसे शाब्दिक रूप से लिया और खुद को नपुंसक बना लिया और बाद में पश्चाताप किया।

मैं शर्त लगाता हूँ कि उसने ऐसा किया होगा। हो सकता है कि वह व्यभिचार करने में सक्षम न हो, लेकिन यह निश्चित रूप से उसे वासना से नहीं रोक सकता। डैन वालेस, मुझे लगता है कि मैंने उनके व्याकरण में उल्लेख किया था, एक सेमिनरी छात्र के बारे में बात करता है जिसने एक पेचकस से अपनी आँख निकाल ली थी।

वह अपनी वासना पर काबू नहीं पा सका। और इससे समस्या में कोई मदद नहीं मिली। आपने सामान्य ज्ञान का उल्लेख किया।

आप जानते हैं, अगर आप अपनी दाहिनी आँख निकाल देते हैं, तो भी आप अपनी बाईं आँख से वासना कर सकते हैं। अगर आप अपनी बाईं आँख निकाल देते हैं, तो भी आप अपने मन से

कल्पना कर सकते हैं। आप जानते हैं, अगर आप अपने दोनों हाथ काट देते हैं, तो भी आप अपने शरीर के दूसरे अंगों से पाप कर सकते हैं।

यह एक मजबूत भाषा है जिसका उद्देश्य किसी बात को स्पष्ट करना है। मुझे अतिशयोक्ति शब्द पसंद नहीं है क्योंकि इसे खारिज करना बहुत आसान है। वह अपनी बात को स्पष्ट करने के लिए नाटकीय भाषण और एक ज्वलंत छवि का उपयोग करने की कोशिश कर रहा है।

पाप वाकई गंभीर है। और अगर मेरी सबसे कीमती चीज़ मुझे पाप की ओर ले जाती है, तो मुझे उससे छुटकारा पाने के लिए तैयार रहना चाहिए। मुझे लगता है कि हम सभी इस बात पर सहमत हो सकते हैं।

वास्तव में, हम पाप को तुच्छ नहीं समझते। शायद हमें अंधे लोगों की तरह जीना चाहिए। अय्यूब 31:1, मैंने अपनी आँखों से वाचा बाँधी है, है न? शायद हमें ऐसे व्यक्ति की तरह जीना चाहिए जो अपंग है और हर जगह नहीं जाता जहाँ हमारे हाथ हमें ले जाने में सक्षम हैं।

मेरा मतलब है, उनके पास यह कहने का एक काव्यात्मक तरीका है कि हमें वास्तव में इन चीजों को बहुत गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। मार्क, आपने जो कहा, उससे मैं हैरान हूँ, लेकिन मुझे वास्तव में बस एक मुलेट की आवश्यकता है। मेरे पास एक मुलेट है।

अंधे लोग, वासना? मैं शर्त लगा सकता हूँ कि वे करते हैं। मैंने किसी से बात नहीं की है, लेकिन मैं शर्त लगा सकता हूँ कि वासना की प्रक्रिया किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं छोड़ती जिसके पास वासना न हो। जिसके पास शारीरिक दृष्टि न हो।

ठीक है, मुझे लगा कि यह एक बहुत आसान पैराग्राफ होगा। अब, हम कठिन पैराग्राफ पर आते हैं। अब, हम कठिन पैराग्राफ पर आते हैं।

और मैं यहाँ बैठकर यह याद करने की कोशिश कर रहा हूँ कि मैंने तलाक के अंश, 31 और 32 को वासना पर पिछली चर्चा के परिशिष्ट के रूप में क्यों सूचीबद्ध किया था। क्योंकि यह अलग है। ऐसा कहा गया है कि जो कोई भी अपनी पत्नी को तलाक देता है, उसे उसे तलाक का प्रमाण पत्र देना चाहिए।

लेकिन मैं आपको बताता हूँ, तो यह कुछ हद तक एक ही पैटर्न है। मुझे बस इसे परिशिष्ट के रूप में मानने का तर्क याद नहीं आ रहा है। लेकिन वैसे भी, मैं आपको बताता हूँ कि जो कोई भी अपनी पत्नी को यौन अनैतिकता को छोड़कर तलाक देता है, और फिर NIV अनुवाद उसे व्यभिचार का शिकार बनाता है।

ईएसवी उसे व्यभिचार करने के लिए मजबूर करता है। अंतर सुनें? एक महिला को पीड़ित के रूप में मानता है, दूसरा उतना दयालु नहीं है। उसे व्यभिचार का शिकार बनाता है, और जो कोई भी तलाकशुदा महिला से शादी करता है, वह व्यभिचार करता है।

गॉर्डन-कॉनवेल में मेरे सबसे दर्दनाक फोन कॉल में से एक मेरे वहाँ के कार्यकाल के अंत के करीब था। मैं अपने कार्यालय में अपने काम में व्यस्त था, और मुझे एक कॉल आया। मुझे आमतौर पर बाहर से कॉल नहीं आते, इसलिए मुझे नहीं पता था कि यह कौन था। वह वास्तव में मुझसे बात करना चाहती थी, और यहाँ क्या हुआ था।

वह शादीशुदा थी। मुझे याद नहीं कि उस समय वह ईसाई थी या नहीं। उसने व्यभिचार किया था, तलाक हो गया था, और फिर से शादी कर ली थी।

एक अलग चर्च में उसके बुजुर्ग, बुजुर्ग उसे बता रहे थे कि वह व्यभिचार में जी रही है और उसे नरक में जाना है, और उसे अपने दूसरे पति को तलाक देना होगा क्योंकि वह वास्तव में उससे विवाहित नहीं थी, क्योंकि वह अभी भी पहले पति से विवाहित थी। और फिर उसे वापस जाना होगा और सुलह करने की कोशिश करनी होगी। और बुजुर्गों ने कहा था, अगर तुम अपने दूसरे पति को तलाक नहीं दोगी, तो तुम नरक में जाओगी।

और वह सिर्फ यह जानना चाहती थी कि क्या यह सच है या नहीं। मेरा अनुमान है कि हम सभी ऐसे लोगों की डरावनी कहानियाँ जानते हैं जो शादी के स्थायित्व को अनदेखा कर देते हैं। और हम ऐसे लोगों को जानते हैं जो, मेरा मतलब है, हमारे पास शायद बहुत, बहुत विस्तृत अनुभव हैं, है न, हम सभी के पास।

यह एक बहुत ही दर्दनाक विषय है। और जैसा कि मैंने आपको बताया, मुझे लगता है कि शनिवार से एक सप्ताह बाद, मैं इस मुद्दे से निपटने वाले महिला सम्मेलन के अंत में बाइबिल के विशेषज्ञ के रूप में एक सम्मेलन में जा रहा हूँ। इसलिए, मुझे जल्दी से जल्दी कुछ चीजों के बारे में अपना मन बनाना होगा।

लेकिन ये 250 महिला नेता होंगी, और उनमें से ज्यादातर ने किसी न किसी तरह से गंभीर यौन शोषण का सामना किया है। और वे तलाकशुदा या पुनर्विवाह के बारे में जानना चाहेंगी। वास्तव में, मुझे पहले ही चेतावनी दी जा चुकी है कि वे विवाह से बाहर निकलने के लिए कोई भी कारण तलाश रही हैं।

और इसलिए, मुझे चेतावनी दी गई है, सावधान रहें, अपने शब्दों को सावधानी से चुनें। तो, यह एक कठिन, कठिन विषय है। शायद इसीलिए मैंने एक परिशिष्ट बनाया है, इसे छोड़ना आसान होगा।

ठीक है, मुझे कुछ बातें बतानी चाहिए, और फिर हम उन्हें आपस में साझा करेंगे। और मुझे लगता है कि पिछली चर्चा में यह बात शामिल है कि क्या वासना आज्ञा का उल्लंघन करती है और इसलिए विवाह अनुबंध का उल्लंघन करती है? तो, अगर वे हैं, अगर वे एक ही चीज़ हैं या आप इसे जिस तरह से कहना चाहते हैं, अगर इस कमरे में हम में से कोई भी, केट मैरियन, किसी दूसरी महिला के लिए वासना करता है, तो क्या हमारे पति-पत्नी के पास बाइबल के अनुसार कोई नियम है, क्या वे हमें तलाक दे सकते हैं? इसे वास्तव में व्यक्तिगत बनाना होगा। क्वालिफायर नंबर एक बहुत ही संक्षिप्त कथन है।

और आप इस अंश से विवाह, तलाक और पुनर्विवाह के अपने सिद्धांत विकसित नहीं कर सकते। यह निश्चित रूप से इसका हिस्सा है। लेकिन शास्त्र में और भी बहुत कुछ कहा गया है।

और इस विशेष विषय पर, हमें वास्तव में जागरूक होना चाहिए। मत्ती 19 में समानांतर मार्ग? या यह है? नहीं, यह मार्क है। मार्क में, समानांतर मार्ग यह है कि जो कोई अपनी पत्नी को तलाक देता है, वह उसे व्यभिचार का शिकार बनाता है।

तलाक के लिए कोई यौन, वैध कारण नहीं है। और अगर आप इसे देखेंगे, तो एक शरीर वाचा का तर्क सही साबित होगा अगर यह एकमात्र आयत होती। कि तलाक के लिए कोई वैध कारण नहीं है।

यह क्या है मार्क? क्या? मुझे लिखना चाहिए था। मार्क 10:11, धन्यवाद। लेकिन यहाँ आपके पास एक अपवाद है।

और मैं टिप्पणियाँ पढ़ रहा था, और संभवतः एक बहुत ही मानक स्थिति है कि यहूदी व्यवस्थाविवरण के आधार पर जानते थे कि यौन बेवफाई विवाह वाचा का उल्लंघन करती है और तलाक के लिए वैध आधार है। और इसलिए, मार्क ने इसमें जोड़ा कि निश्चित रूप से यीशु का इरादा क्या रहा होगा। मैंने कहा कि मैथ्यू ने इसमें जोड़ा कि निश्चित रूप से यीशु का इरादा क्या रहा होगा।

समस्या यह है कि आपको 1 कुरिन्थियों 7 मिलता है। 1 कुरिन्थियों 7 में, यदि आपका अविश्वासी साथी आपके साथ नहीं रहना चाहता है, तो आप बाध्य नहीं हैं। विवाह और तलाक पर डेविड इंस्टोन ब्रूअर की पुस्तक में, वह एक बहुत ही मजबूत मामला बनाता है कि बाध्यता एक वैध रोमन भाषा है जो पुनर्विवाह की संभावना के साथ वैध तलाक के लिए है। यह एक कानूनी लैटिन शब्द है या यह एक कानूनी लैटिन शब्द का अनुवाद करता है।

और इसलिए, दूसरा भी है। और रोमन कानून में इसी तरह से तलाक होता है। आप बस चले गए।

रोम में परित्याग ही तलाक था। और इसलिए, ज़्यादातर लोगों को लगता है कि तलाक का दूसरा बाइबिलीय आधार यौन नहीं है। तो मैं यही कह रहा हूँ।

हमें किसी भी एक बिंदु से धर्मशास्त्र निकालते समय सावधान रहना चाहिए, खासकर इस बिंदु से। मैं यह भी संक्षेप में कहना चाहूँगा कि जब मैं इस विषय पर उपदेश देने आया था, तो यह मेरे लिए एक कठिन उपदेश था। वास्तव में, मुझे लगता है कि मैंने इसे छोड़ दिया और वापस इस पर आया।

मैंने खुद को पढ़ने के लिए कुछ और हफ़्ते दिए। और मुझे नहीं लगता कि इस विषय पर कोई ऐसी स्थिति है जो बाइबल की सभी आयतों को पर्याप्त रूप से समझा सके। चाहे वह कोई भी ऐसी बात हो जो विवाह अनुबंध का उल्लंघन करती हो, केवल यौन बेवफाई ही इसे तोड़ती है, और स्थिति चाहे जो भी हो, सभी समस्याएँ हैं।

उस समय मैं डेविड को बहुत अच्छी तरह से नहीं जानता था, लेकिन अब जानता हूँ। वह NIV अनुवादकों में से एक है।

लेकिन उस समय, मैंने उसे बुलाया और उससे बात की। और मैंने कहा कि वह इस पद पर है। मैंने पूछा, हाँ, इस श्लोक के बारे में क्या? और उसने कहा, मुझे नहीं पता।

डेविड, आपने इस विषय पर एक पूरी किताब लिखी है। मैं सभी आयतों को एक साथ नहीं रख सकता। यह मुद्दा इतना जटिल है।

इसलिए, इसमें थोड़ी विनम्रता की आवश्यकता है। हम चाहे जो भी स्थिति अपनाएँ, कोई न कोई श्लोक होगा, कोई वैध तर्क होगा जो थोड़ी विनम्रता का भाव जगाएगा। इसलिए, यह ऐसी चीज़ है जिसके बारे में हमें सावधान रहना होगा।

हाँ, मुझे लगता है कि यह बिल्कुल ज़रूरी है कि चर्च एक स्थिति पत्र तैयार करे। क्योंकि स्थिति पत्र क्या होता है, यह नहीं कहता कि, प्रभु ऐसा कहते हैं। स्थिति पत्र में कहा जाता है, यहाँ छंदों की एक श्रृंखला है, और एल्डर्स और पादरी कर्मचारियों ने काम किया है और काम किया है।

यह हमारी सबसे अच्छी समझ है। यह वे दिशा-निर्देश हैं जिनके द्वारा हम शासन करेंगे। विशेष रूप से, जब यह बात आती है कि क्या किसी बुजुर्ग का अतीत में तलाक हुआ है, तो यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है।

तो हाँ, यह एक शानदार स्थिति पत्र है कि अगर आप इसे अभी नहीं करते हैं, तो आपको इसे कभी न कभी करना ही होगा। आपको मार्गदर्शन की आवश्यकता है। जब हमने एल्डर्स के लिए योग्यताओं पर अपना स्थिति पत्र लिखा, तो यह हमारे चर्च में पहला वास्तविक दर्दनाक अनुभव था।

हमने चर्चों का विलय कर दिया, जो कि एक तरह से अच्छा है। बाकी सभी जगह, यह विभाजन है। हमने सोचा कि हम चर्चों का विलय कर देंगे।

और इसलिए, यह दूसरा एल्डर दूसरे चर्च से आया था, और मैं उसे बहुत अच्छी तरह से नहीं जानता था, लेकिन मैं वास्तव में उसे बहुत पसंद करता था। और व्यक्तित्व के लिहाज से। और हमने अपने एल्डर पद के पेपर पर बहुत समय बिताया।

और हमने इस मुद्दे पर विशेष रूप से विचार किया, आप जानते हैं, वर्सेटाइटिस। उनके बच्चे अवश्य ही होंगे; क्या वे आस्तिक या वफादार हैं? आप जानते हैं, यह पूरी बहस। मुझे भूल गया कि यह कहाँ है। और हमने इसे पारित कर दिया।

फिर, हमारे अगले समूह के बुजुर्गों को नामित करने का समय आ गया। खैर, मुझे नहीं पता था कि मेरे दोस्त के चार बच्चे थे, जिनमें से कोई भी प्रभु के साथ नहीं चल रहा था। और मैं बोला, ओह।

और वह इस बात पर आपत्ति जता रहे थे कि किसी ने कहा, मुझे नहीं लगता कि आप एल्डर बोर्ड में वापस आ सकते हैं। और मैंने पूछा, आपको क्यों लगता है कि हमने स्थिति पत्र बनाया? और वह कहते हैं, मुझे लगा कि यह अच्छा दिखने के लिए था। मुझे नहीं लगता कि हम वास्तव में इसका पालन करने जा रहे हैं।

ओह, और यह दर्दनाक था क्योंकि मैं उसे बहुत पसंद करता था। और आप बता सकते हैं, आप जानते हैं, आप चर्च को मिलाते हैं, और आप इन सभी नए लोगों को लाते हैं, और अचानक, चीजें बदलने लगती हैं। वे थोड़े अलग हैं।

अचानक, उसे एहसास हुआ कि वे वास्तव में शास्त्र का पालन करने जा रहे थे। मैं इससे बहुत असहज था, और यह बहुत दर्दनाक था।

तो हाँ, एक स्थिति पत्र बनाओ। यह मत मानिए कि हर कोई जानता है कि यह परिभाषित करने वाला दस्तावेज़ है, कि ऐसे लोग होंगे जो मान लेंगे कि आप हैं, यह सिर्फ अच्छा दिखने के लिए है। लेकिन वैसे भी, मार्ग एक संक्षिप्त कथन है।

बहुत महत्वपूर्ण है। नंबर दो, आपको भाषा समझनी होगी। और समझिए, मैंने अभी भी इनमें से कुछ चीजों पर अपना मन नहीं बनाया है।

इसलिए, मैं यह बात अपनी बात को स्पष्ट करने के लिए नहीं कह रहा हूँ। आपको यहाँ तलाक की भाषा को समझना होगा, जैसे आप माउंट पर उपदेश में अन्य सभी भाषाओं को समझते हैं। यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। और मुझे याद है कि मैं अपने एक बुजुर्ग के साथ बहस में पड़ गया था, और वह तलाक के लिए कोई वैध कारण नहीं होने के कारण एक ही व्यक्ति के साथ बहस कर रहा था।

और उसने कहा, ठीक है, बाइबल कहती है, और वह इसे पढ़ेगा। और मैं गया, मैंने कहा, मुझे अपने दोनों हाथ दिखाओ। मैंने कहा, तुम इतनी उम्र में कैसे हो सकते हो और तुम्हारे दो हाथ हैं? उन्हें क्यों नहीं काटा जाता? बाइबल कहती है कि उन्हें काट देना चाहिए।

ओह, यह एक रूपक है। ओह, सच में? मैंने ऐसा नहीं कहा। कितना सुविधाजनक है।

यह रूपक है, लेकिन यह रूपक नहीं है। यह कौन सा है? क्या हम कृपया सुसंगत हो सकते हैं? यह कई कारणों से एक मजबूत तर्क था। वैसे भी, हमें तलाक की भाषा को उसी तरह समझना होगा।

हालाँकि, आप सभी अन्य भाषाओं को समझना चाहते हैं, चाहे वह वासना और व्यभिचार हो या आँखें और हाथ या परिपूर्ण होना या कुछ और। आप इस भाषा को कैसे समझेंगे? दूसरे शब्दों में, क्या यीशु हर संभव अपवाद को सामने रखने में चिंतित नहीं है क्योंकि वह इस बात पर जोर देना चाहता है कि परमेश्वर का इरादा विवाह को स्थायी बनाना है? और उसने बस इतना कहा, मुझे परेशान मत करो, ठीक है, मैं यौन अनैतिकता को जोड़ दूंगा, लेकिन मुझे सभी बहस वाली चीजों से परेशान मत करो।

मुझे अपनी बात स्पष्ट करनी है। मैं फरीसी संस्कृति की बात कर रहा हूँ जो नाटकीय रूप से तलाक पर आधारित है। क्या आप सभी ने कार्ल्स में वह अंश पढ़ा है? वह था, अगर आपने इसे नहीं पढ़ा है, तो ज़रूर पढ़ें।

वह दो पेज तक तलाक पर मिश्रा ट्रेक्ट के बारे में बताता है, और फरीसियों द्वारा तलाक की अनुमति देने के सभी कारण बताता है। और यह, मेरा मतलब है, यह, जब मैंने इसे पढ़ा तो मुझे गंदा महसूस हुआ। ऐसा लगता है कि आप ईश्वर के चुने हुए लोग हैं, जिन्हें उसने दुनिया के लिए पुजारी बनने के लिए बनाया है, ताकि ईश्वर को दुनिया के साथ साझा किया जा सके।

और तुम यहाँ बैठकर यह तय करने की कोशिश कर रहे हो। उसमें एक फंफूँद है, और वह यहाँ से चली गई। उसने मेरे पैर की उंगलियाँ जला दीं, और वह यहाँ से चली गई। वह बहुत सुंदर नहीं है, और वह यहाँ से चली गई।

मुझे यह पसंद है, उसकी नाक टेढ़ी है। अच्छा, क्या जब तुमने उससे शादी की थी तब उसकी नाक टेढ़ी थी? तुम्हें पता है, टेढ़ी नाक। मेरा मतलब है, यह हमारी संस्कृति से भी बदतर है।

मुझे लगता है, जब आप इसे पढ़ते हैं, तो हम उपदेश के एक हिस्से को एक तरह से और दूसरे हिस्से को दूसरे तरह से नहीं देख सकते। मुझे लगता है कि यह वास्तव में महत्वपूर्ण है कि हम सुसंगत रहें। क्या हम वास्तव में क्रोधित लोगों को मृत्युदंड देने के लिए तैयार हैं? ठीक है, अगली बात जो मैं कहना चाहता था, वह यह है कि मुझे बस एक सेकंड के लिए अपने नोट्स की जाँच करने दें।

ठीक है, आप मुझे इस पेज पर ले जा सकते हैं और फिर हम रुकेंगे और एक ब्रेक लेंगे और आप बात कर सकते हैं। अपवाद खंड, कोई भी व्यक्ति जो यौन अनैतिकता को छोड़कर अपनी पत्नी को तलाक देता है। जब मैं कक्षा की तैयारी कर रहा था, तो मैंने कुछ दिलचस्प बातें सीखीं, और यह उनमें से एक थी।

फिर से, मैं इस बारे में सिर्फ एक हफ़्ते से सोच रहा हूँ, लेकिन मेरा दिमाग इसी ओर जा रहा है। व्यवस्थाविवरण कहता है कि अगर आप तलाक लेने जा रहे हैं, तो यह दिल की कठोरता के कारण है; अगर आप तलाक लेने जा रहे हैं, तो यह अभद्रता के कारण होना चाहिए, कुछ ऐसा जिसमें कमी है, और आपको इसका प्रमाण पत्र देना होगा। दूसरे शब्दों में, कोई कारण होना चाहिए, आप बस अपनी शादी से दूर नहीं जा सकते।

और प्रमाण-पत्र महिला की सुरक्षा के लिए था क्योंकि अगर कोई पुरुष किसी भी कारण से किसी महिला को तलाक दे सकता है, तो लोग सोच रहे होंगे कि क्या उसने व्यभिचार किया है? तलाक का कारण क्या था? और प्रमाण-पत्र महिला की प्रतिष्ठा की गारंटी के लिए था, कि वह व्यभिचारिणी नहीं थी, ठीक है? प्रमाण-पत्र के साथ यही होता है। इसलिए कोई कारण होना चाहिए, और महिला की सुरक्षा के लिए इसे स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए। दिलचस्प बात यह है कि हिब्रू में व्यभिचार के लिए एक शब्द है, और यही वह बात है जो मैंने सीखी, और फिर से, मैं अभी भी इस पर विचार कर रहा हूँ।

हिब्रू में व्यभिचार के लिए एक शब्द है, लेकिन मूसा ने इसका इस्तेमाल नहीं किया। वह कह सकता था, अपने दिल की कठोरता के कारण, तुम व्यभिचार के मामले में तलाक की अनुमति देने जा रहे हो; उसे प्रमाण पत्र दो। उसने ऐसा नहीं कहा।

उन्होंने कहा, अगर कोई अभद्रता है, तो उसे प्रमाण पत्र दें। और मैं जिस बारे में सोच रहा हूँ, वह यह है कि क्या ऐसा होता है, और मैं आपको बता दूँ, मैं वास्तव में रूढ़िवादी हूँ। इसलिए जब भी मैं कुछ ऐसा करता हूँ जिसे उदार माना जाता है, तो मेरे अंदर की सारी जांच उड़ने लगती है, सावधान, सावधान, सावधान, सावधान।

लेकिन मैं सोच रहा हूँ कि मूसा ने व्यभिचार के बजाय अभद्रता क्यों कहा, जब तक कि मूसा को यह समझ में न आया हो कि यह सिर्फ व्यभिचार से ज़्यादा है, कि अभद्रता सिर्फ व्यभिचार से ज़्यादा है? मैं यह नहीं कहना चाहता कि मैं अभी भी इस पर विश्वास करता हूँ, लेकिन मैं वहाँ जा रहा हूँ। और जिस कारण से मैं वहाँ जा रहा हूँ उसका एक हिस्सा ग्रीक शब्द का अनुवाद है। ग्रीक शब्द का उपयोग करता है, ग्रीक पोर्निया का उपयोग करता है।

ग्रीक में व्यभिचार के लिए एक शब्द है। यीशु ने इसका इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने यौन बेवफाई के लिए सबसे व्यापक शब्द का इस्तेमाल किया।

मुझे नहीं पता, और मैंने इसकी जांच नहीं की। मुझे नहीं पता। अंत में, हाँ।

अच्छी बात यह है कि मैं मासोरेटिक्स का पालन करता हूँ। लेकिन आप इसे जांच सकते हैं। इसलिए, मैंने हमेशा तर्क दिया है कि पोर्निया सिर्फ व्यभिचार नहीं है।

इस शब्द का मतलब यह नहीं है। यह यौन बेवफाई है। यह विवाह की वैध सीमाओं के बाहर यौन व्यवहार है।

अब मेरे पास एक हिब्रू शब्द है जो यही काम कर रहा है। दिलचस्प। मैं बस इतना ही कहूँगा कि यह दिलचस्प है।

क्योंकि मेरे खयाल से, यह अपवाद खंड, ज़ाहिर है, व्यभिचार को भी कवर करता है। यह वेश्यावृत्ति को भी कवर करता है। मैं कहूँगा कि यह समलैंगिकता को भी कवर करता है।

मेरा मतलब है, कितनी लड़कियाँ अपने पतियों द्वारा छोड़ दी जाती हैं और यह पता चलता है कि वे समलैंगिक हैं? ठीक है, यह किसी दूसरे आदमी के साथ सेक्स है। लेकिन यह विवाह की सीमाओं से बाहर सेक्स है। यह इसे तोड़ता है।

पशुता इसे तोड़ती है। जानवरों के साथ सेक्स। तो, इन सभी प्रकार के पापों के उदाहरण हैं जिन्हें पोर्निया के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

और इसलिए, मेरा सवाल यह है कि मैं यीशु की बात जानता हूँ, और मुझे अगले कुछ हफ्तों में होने वाले सम्मेलन में यही करना है। यीशु की बात यह है कि, शादीशुदा बने रहो। यही पॉल का तरीका है, है न? 1 कुरिन्थियों 7 में। शादीशुदा बने रहो।

इसे तोड़ा नहीं जाना चाहिए था। ठीक है, यही बात है। ठीक है, हाँ, ऐसी परिस्थितियाँ होती हैं जहाँ विवाह अनुबंध का उल्लंघन होता है।

और परमेश्वर की नज़र में, चाहे आप तलाकशुदा हों या नहीं, यह अप्रासंगिक है। परमेश्वर को हमारे कागज़ के टुकड़ों की परवाह नहीं है। लेकिन कुछ ऐसे काम हैं जो, उसके दिमाग में, विवाह वाचा का उल्लंघन करते हैं।

और आज के समय में, हमारे सभी चर्चों में, यह सवाल है कि यह कितना व्यापक होगा? और यहीं पर यह वास्तव में बहुत कठिन हो जाता है। क्योंकि आप दुर्व्यवहार के पूरे मुद्दे को सामने लाते हैं। क्या होगा अगर यह यौन दुर्व्यवहार नहीं है? क्या होगा अगर यह मौखिक दुर्व्यवहार है? क्या होगा अगर पति सिर्फ मौखिक रूप से महिला को मारता-पीटता है और मारता-पीटता है और मारता-पीटता है? मैट की पत्नी एक दुर्व्यवहार पीड़ित महिला आश्रय में काम करती है।

रविवार को हमारी बहुत अच्छी चर्चा हुई, और वह कह रही थी कि ये पुरुष जो अपनी पत्नियों के साथ इतना दुर्व्यवहार करते हैं, वे ईश्वर की रचना की गुणवत्ता को कम कर रहे हैं। ईश्वर ने कुछ सुंदर और अद्भुत बनाया है, और वे इसे नष्ट कर रहे हैं और इसे तोड़ रहे हैं। और टैमी के दिमाग में, यह विवाह अनुबंध का उल्लंघन है।

आप जानते हैं, एक और दिलचस्प सवाल यह है कि शादी क्या है? क्या आपने कभी इस बारे में सोचा है? शादी क्या है? शादी क्या होती है? गॉर्डन ह्यूजेनबर्गर इस मुद्दे पर एक विस्तृत और थकाऊ किताब लिखी है। और उसका प्राथमिक जोर... आपने क्या कहा, मैट? आपने इसे मुझसे बेहतर कहा। कि यह... ठीक है।

ठीक है, तो... ठीक है, तो यह शपथ है, और फिर शपथ चिह्न द्वारा सील किया गया है, जो कि सेक्स है। और मेरा एक दोस्त डीन है, और उसके संकाय ने इसे पढ़ा, और उन्होंने इस पर पूरी बहस की। तर्कों में से एक यह है कि बाइबल में विवाह पूर्व सेक्स के खिलाफ कोई स्पष्ट निषेध नहीं है।

क्या आपने इस पर गौर किया है? हाँ, वह क्या है? वैसे भी, ह्यूजेनबर्गर का तर्क है कि इस पर स्पष्ट रूप से विचार नहीं किया गया है क्योंकि विवाह-पूर्व सेक्स जैसी कोई चीज़ नहीं होती। आप सेक्स करते हैं, आप शादीशुदा हैं। इसलिए, मैंने अपने किशोर लड़कों पर यह कोशिश की।

मैं बस इतना कहना चाह रहा हूँ कि ठीक है, दोस्तों, मैं भी कभी किशोर था। आपको समझना होगा, अगर आप सभी मौज-मस्ती करते हैं, तो ह्यूजेनबर्गर के अनुसार, आप शादीशुदा हैं। इसका ठीक उल्टा असर हुआ जिसकी मुझे उम्मीद थी।

एक बेटे ने दूसरे से कहा, अरे, चलो, इसे यहीं छोड़ देते हैं। हम शादी कर लेंगे।

नहीं, नहीं, नहीं, यह मुद्दा नहीं था। यह मुद्दा नहीं था। यह दिलचस्प है कि शादी क्या बनाती है, क्योंकि जब तक आप यह नहीं जानते कि शादी क्या बनाती है, तब तक आप यह नहीं जान सकते कि शादी को क्या तोड़ता है।

डेविड इनस्टोन ब्रूअर ने अपनी किताब में तर्क दिया है कि विवाह को बनाने वाली बहुत सी बातें निर्गमन के एक अंश से निकलती हैं, जहाँ यह प्रतिज्ञा है कि आप अपने जीवनसाथी को प्यार, देखभाल और संजोकर रखेंगे। जब कोई पुरुष अपने जीवनसाथी से प्यार, देखभाल और देखभाल करना बंद कर देता है, तो वह विवाह अनुबंध का उल्लंघन करता है, और इसलिए, तलाक वैध है। डेविड का यही मत है।

तो, सवाल यह है कि हम पोर्निया को कितना व्यापक बनाते हैं? हम अभद्रता को कितना व्यापक बनाते हैं? यही तो इस शब्द का मतलब है। यौन अनैतिकता। ओह, नहीं, नहीं।

पोर्निया को छोड़कर, जो कोई भी अपनी पत्नी को तलाक देता है, वह उसे व्यभिचार का शिकार बनाता है। यह दिलचस्प है। मैथ्यू एक यहूदी संस्कृति को दर्शा रहा है जहाँ महिलाएँ पुरुषों को तलाक नहीं दे सकती थीं, और केवल पुरुष ही महिलाओं को तलाक दे सकते थे।

जब तक कि आप अमीर न हों। और अगर आप किसी भी संस्कृति में अमीर हैं, तो आप जो चाहें कर सकते हैं। लेकिन यहूदी संस्कृति में, जब तक आप अमीर न हों, केवल पुरुष ही महिला को तलाक दे सकता था।

यह दिलचस्प है। मार्क रोमन पाठकों के लिए लिखा गया है। जो हंस के लिए अच्छा है, वह हंस के लिए भी अच्छा है।

इसलिए, मार्क 10:11 और 12 में कहता है, जो कोई अपनी पत्नी को तलाक देता है और दूसरी से शादी करता है, वह उसके खिलाफ व्यभिचार करता है, क्योंकि वह अभी भी परमेश्वर की नज़र में विवाहित है। और अगर वह अपने पति को तलाक देती है और दूसरे से शादी करती है, तो वह व्यभिचार करती है। इसलिए, मार्क इसके दोनों पहलुओं को दर्शाता है।

मैं कहना चाहता हूँ, मुझे एक और बिंदु पर जाने दीजिए, और फिर हम रुकेंगे और एक ब्रेक लेंगे और वापस आएँगे। इस बिंदु पर यीशु की शिक्षा शास्त्रियों की धार्मिकता से कैसे बढ़कर है? मुझे यकीन नहीं है कि मुझे अपना उत्तर पसंद है। मुझे यकीन नहीं है कि मेरे पास कोई उत्तर है, लेकिन यह सब इसी बारे में है, है न? यीशु की शिक्षा धार्मिकता के बारे में बात करती है जो बढ़कर है, जो धार्मिकता, बाहरी धार्मिक व्यवहार और फरीसियों के कथित धार्मिक व्यवहार से कहीं अधिक गहरी है।

तो, किस अर्थ में यीशु यहाँ कुछ गहरी बात सिखा रहे हैं, कुछ ऐसा जो शास्त्रियों और फरीसियों से परे है? चार संभावनाएँ। मुझे यकीन है कि आपने यह सुना होगा: दो प्रसिद्ध रब्बियों, हिलेल और शम्माई ने इसे अपने विवाद के बिंदुओं में से एक के रूप में रखा था। शम्माई ने तर्क दिया कि अभद्रता केवल व्यभिचार है, और हिलेल ने तर्क दिया कि अभद्रता कुछ भी हो सकती है।

अगर किसी भी तरह से वह उसे नापसंद करती है, तो वह उसे छोड़ सकता है, ठीक है? और अधिकांश भाग के लिए, यहूदी धर्म हिलेल के साथ चला गया। और इसलिए निश्चित रूप से, यीशु हिलेल की समझ से परे है। हिलेल कह रहा है, जो भी हो, आप किसी भी कारण से उससे छुटकारा पा सकते हैं।

यीशु कहते हैं, "नहीं, नहीं, नहीं, नहीं, नहीं, यह है पोर्निया। नंबर दो, यीशु शम्माई से भी ज्यादा गहराई से कह रहे हैं कि व्यभिचार तलाक की मांग नहीं करता। यह इसे स्वीकार्य बनाता है। कई रब्बी हैं जिन्होंने तर्क दिया कि अगर व्यभिचार है, तो आपको अपने जीवनसाथी को तलाक देना चाहिए।

और यीशु कहते हैं, "नहीं, नहीं, नहीं। यह स्थायी संबंध के रूप में विवाह के मूल उद्देश्य का उल्लंघन करता है। यह इसे स्वीकार्य बना सकता है, लेकिन यह इसे अनिवार्य नहीं बनाता है।" मुझे यकीन है कि आप सभी के पास ऐसी कहानियाँ होंगी, लेकिन हमारे अच्छे दोस्त हैं।

आदमी पादरी था, उसका एक अफेयर था, और उसकी पत्नी उसके साथ ही रही। और जब उसने कबूल किया, उसके बाद भी वह अफेयर करता रहा, बार-बार नहीं, लेकिन कम से कम एक बार। और उसने इस बारे में कुछ नहीं किया।

उसने कहा कि मैं तुम्हें वैसे ही वापस नहीं चाहती, जैसे तुम हो। मैं तुम्हें अभी वापस चाहती हूँ। मुझे एक नया पति चाहिए।

मैं चाहता हूँ कि तुम इस प्रक्रिया से गुज़रो। और अगर मैं बस बीच में आकर तुम्हें तलाक देने की धमकी देता हूँ, तो तुम ठीक नहीं हो पाओगे। और चार साल बाद, यह एक अद्भुत शादी है।

पति-पत्नी दोनों ने एक साथ मिलकर ऐसे विकास किए हैं जैसा पहले कभी नहीं हुआ। वे आध्यात्मिक रूप से ऐसे विकसित हुए हैं जैसा पहले कभी नहीं हुआ। इन दोनों को एक साथ देखना वाकई बहुत खुशी की बात है।

रब्बियों के अनुसार, ऐसा कभी नहीं होता। उन्हें तलाक लेना पड़ता। इसलिए, यीशु की शिक्षा इस मायने में गहरी है कि इसकी अनुमति है, लेकिन यह अनिवार्य नहीं है।

तीसरा, वह पति को दोषी ठहराता है, जिसमें दूसरा पति भी शामिल है। वह कहता है कि अगर आप अपनी पत्नी को तलाक देते हैं, तो आप उसे व्यभिचार का शिकार बनाते हैं। और मुझे लगता है कि इसका मतलब यह है कि उस समय और युग में, एक महिला के पास केवल दो विकल्प थे।

और वह वेश्या बनना या फिर से शादी करना था। और किसी भी तरह से, आप परमेश्वर द्वारा निर्धारित सही चीज़ के बाहर सेक्स करते हैं। और वह व्यभिचार कर रही है।

इसलिए, उसे उस स्थिति में धकेलने के लिए पति को दोषी ठहराया जाता है। इसलिए NIV कहता है कि व्यभिचार के शिकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इस पूरी प्रक्रिया में पुरुष दोषी है।

और तीसरी बात, उह, चौथी बात, मैं कहूंगा कि यीशु में बहुत गहरी धार्मिकता है क्योंकि अपवादों पर जोर नहीं दिया गया है।

इसमें स्थायित्व पर जोर दिया गया है, और वह बस यही बात समझाना चाहते हैं: तलाक मत लीजिए।

और यह उस दिन आपको जो मिला उससे बिलकुल अलग जोर है। और सच कहूँ तो, आज आपको जो मिलता है। मैंने कभी भी विवाह परामर्श नहीं लिया, लेकिन जब मैंने किया, तो मैंने हमेशा एक सवाल पूछा, क्या आप कभी भी यह सोचते हैं कि अगर यह काम नहीं करता है, तो हम तलाक ले सकते हैं, है ना? यह एक जोड़े से पूछने के लिए एक बढ़िया सवाल है।

अगर वे इस बात पर थोड़ा भी विचार कर रहे हैं, तो मैं कभी भी विवाह समारोह नहीं करूंगा। मैं कहूंगा कि आपको एक ऐसे बिंदु पर पहुंचने की जरूरत है जहां आप इस शादी के लिए इतने प्रतिबद्ध हों कि बुरे समय में भी आप इसे जारी रखें। क्या आप यह प्रतिबद्धता करने के लिए तैयार हैं? क्योंकि अगर आप अभी तलाक के बारे में सोच रहे हैं, तो आप तलाक ले लेंगे।

तुम ऐसा करोगे। मैं अपने बच्चों को बताता हूँ कि शादी एक बेकार की बात है। यह सच में ऐसा ही है, है न? मेरा मतलब है, जब रॉबिन और मैंने शादी की, तो यह एक बहुत अच्छी बात थी।

वह महान महिला कहलाना पसंद नहीं करती - यह मेरे पिता की अभिव्यक्ति है - लेकिन वह एक महान महिला हैं।

और, लेकिन कौन जानता है? रॉबिन में सभी तरह की बीमारियाँ हो सकती थीं जिन्हें मैं नहीं देख सकता था। खासकर तब जब हमारी पहली डेट से लेकर हमारी शादी तक छह महीने से भी कम समय हुआ है। और यह सब लंबी दूरी पर हुआ था।

हम भाग्यशाली हैं। भगवान ने इसे हमारे दिलों में डाल दिया। आप दोनों एक साथ हैं।

बस, बस शादी कर लो। आगे बढ़ने पर तुम्हें सब समझ में आ जाएगा। मैं एक कॉलेज प्रोफेसर था , और ब्ला, ब्ला, ब्ला।

मैं एक बीमार व्यक्ति हो सकता था। यह जानने का कोई तरीका नहीं है। शादी एक बेकार की बात है।

मेरा एक दोस्त है जिसने एक बहुत ही उभरते हुए पादरी और शिक्षाविद से शादी की है, जो एक बहुत ही प्रसिद्ध व्यक्ति है, जो पूरी तरह से पोर्न का आदी है। शादी को बस टुकड़े-टुकड़े कर दिया गया है। तो, शादी काफी हद तक, है न? आप इसे जो भी समझें।

आप एक अच्छी शुरुआत करना चाहते हैं, लेकिन एक अच्छी शुरुआत इस बात की गारंटी नहीं देती कि यह लंबे समय तक चलेगी। आपको प्रतिबद्धता चाहिए।

इसलिए, यीशु ने जोर देकर कहा, "यह हमेशा के लिए रहने के लिए है।" मुझे पता है कि यीशु ने कहा था कि स्वर्ग में कोई शादी नहीं होती, लेकिन मुझे इसकी परवाह नहीं है। मैं रॉबिन से हमेशा के लिए विवाहित रहूँगा।

मैं स्वर्ग में उसका साथ नहीं छोड़ रहा हूँ। इसका क्या मतलब होगा? मैं उसे छोड़ना नहीं चाहता। हम अगले 10,000 सालों तक साथ मिलकर दुनिया की खोज करेंगे।

यीशु ने इसी बात पर ज़ोर दिया। और यह बात निश्चित रूप से उनकी शिक्षा को अलग और पृथक बनाती।